

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	भाद्र 29, शुक्रवार, शाके 1946-सितम्बर 20, 2024 Bhadra 29, Friday, Saka 1946- September 20, 2024	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, जुलाई 04, 2024

संख्या प. 2(36)वन/2024 :- चूँकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज उसके किसी अंश की स्वत्तधारी (Entitled) है।

और चूँकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं।

और चूँकि सरकार उपर्युक्त वन भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29 उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूँकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उन पर सरकार या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है परन्तु चूँकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा। इस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचाने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 की एक्ट संख्या 3) की धारा 29 की उप धारा (3) के प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर/अस्सिस्टेंट अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेख तथा साक्ष्य उसी प्रणाली में किया जावेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 9, 10, 11, (1), 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) में परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरा में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेख सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषण करती है कि उक्त रक्षित वन को वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,
मोनाली सेन,
विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची							
क्र.सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	मौजा	क्षेत्रफल	
1	2	3	4	5	6	खसरा नम्बर	रकबा (हैक्टेयर में)
1	सान्दया खेडी	रामगंजमण्डी	कोटा	उत्तर- राजस्व भूमि सन्डिया खेडी खसरा नम्बर 450 दक्षिण - काश्त भूमि सन्डिया खेडी पूर्व - राजस्व भूमि सन्डिया खेडी खसरा नम्बर 451ए 455 पश्चिम- काश्त भूमि सन्डिया खेडी सन्डिया खेडी	खेडी सान्दया	449	1.56
						कुल	1.56

उप वन संरक्षक
कोटा।

द्वितीय अनुसूची

पेड़ों की सूची

संख्या	बोटैनिकल नाम	हिन्दी नाम
1	2	3
1	Prosopis juliflora	विलायती बबूल
2	Balanites Roxburglii	हीगोट
3	Zizyphus	झाड़ी बैर
4	Prosopis Spicigera	खेजडा
5	Chiororeotis Procera	आक
6	Ceparis-Desiduba	कैर

उप वन संरक्षक
कोटा।

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक द्वारा प्रमाण पत्र
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दें)

वनखण्ड :- सान्दया खेडी

रैंज :- मोड़क

वन मण्डल:- कोटा

- 1 संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण क्रमशः गैर मुमकिन जंगलात है। जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण सहित दर्शाया गया है।
- 2 वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराया गया है/कराना है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। क्षेत्र को आरक्षित / रक्षित वन घोषित करने के लिए राजस्व जमाबंदी महकमा जंगलात जो प्रस्ताव के साथ संलग्न है।
- 3 वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में क्रमशः x प्लांटेशन एवं अन्य विकास कार्य वर्ष x में कराये गये है। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए है। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
- 4 भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में 2 है तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों का विवरण संलग्न अनुसूची द्वितीय में दिया गया है।
- 5 समीपवर्ती स्थित क्षेत्र के चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
- 6 वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न हैं एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं, सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है। प्रस्तावित क्षेत्र को जी०टी० शीट पर चिन्हित किया जाकर प्रस्ताव के साथ संलग्न किया गया है।
- 7 प्रस्तावित क्षेत्रों की विज्ञप्तियों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं किन्तु अब उल्लेखित वनक्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है, जिससे कि इन भूमियों पर वनों का समुचित संरक्षण एवं विकास किया जा सके।
- 8 उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

उप वन संरक्षक
कोटा।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।